This question paper contains 5 printed pages.]

9826

Your Roll No. ....
आपका अनुक्रमांक ....

B.El. Ed.

B

Paper O – 3.2

Hindi-II

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 70*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)
(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

1. निम्नलिखित काव्यांशों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें :

(क) पत्रा हीं तिथि पाइयै, वा घर कैं चहुँ पास।
नितप्रति पून्यौई रहै, आनन-ओप उजास॥

(i) ये पंक्तियाँ किस छंद में हैं ? उस छंद के लक्षण को इन पर घटित कर दिखाइये। 3

(ii) नायिका के घर के पास 'पत्रा' से ही तिथि का पता लगने का क्या कारण कवि ने बताया है ? 3

(iii) यहाँ कौन-सा अलंकार है ? समझा कर लिखिए। 2

अथवा

मो सो कौन कुटिल खल कामी।

जेंहि तनु दियौ ताहिं बिसरायौ, ऐसौ नोनहरामी।

भरि-भरि उदर विषय को धावौं, जैसे सूकर कामी।

हरिजन छाँड़ि हरी विमुखन की निसिदिन करत गुलामी।

(i) इन पंक्तियों के रचनाकार का नाम बताइये। वे साहित्येतिहास में किस काव्यधारा के अंतर्गत परिगणित होते हैं ? 2

(ii) कवि ने स्वयं को कुटिल, खल, कामी इत्यादि क्यों कहा है ? स्वयं को इस तरह के विशेषणों से नवाज़ना भक्ति के किस भेद का लक्षण है ? 3

(iii) 'हरिजन' और 'हरिविमुखन' के क्या मायने हैं ? 3

(ख) पेट पीठ दोनों मिल कर हैं एक,

चल रहा लकुटिया टेक,

मुट्ठी भर दाने को - भूख मिटाने को,

मुँह फटी पुरानी झोली का फैलाता-

दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।

(i) इन पंक्तियों का संदर्भ एवं प्रसंग बताइए। 3

(ii) यहाँ किस तरह का बिम्ब निर्मित हो रहा है ? समझा कर लिखिए। 3

(iii) किस तरह के पछतावे की ओर कवि का संकेत है ? 2

अथवा

विस्तृत नभ का कोई कोना
मेरा न कभी अपना होना
परिचय इतना इतिहास यही
उमड़ी कल थी मिट आज चली

(i) ये किस कवि की पंक्तियाँ हैं और इसके रचनाकार का संबंध हिन्दी की किस काव्य-प्रवृत्ति से रहा है ? 4

(ii) इन पंक्तियों का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए। 4

2. तुलसीदास अथवा सूरदास की भक्ति-भावना पर संक्षिप्त निबंध लिखिए। 7

अथवा

बिहारी की काव्यकला का विवेचन कीजिए। 7

3. मैथिलीशरण गुप्त अथवा रामधारी सिंह 'दिनकर' की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 7

4. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5+5+5

(i) हिन्दी साहित्य के शुरुआती दौर के लिए 'आदिकाल' नाम के औचित्य पर विचार कीजिए।

(ii) हिन्दी साहित्येतिहास में 'मध्यकाल' से आप क्या समझते हैं ? क्या पूरा मध्यकाल एक ही काव्य-प्रवृत्ति का प्रतिनिधित्व करता है ?

(iii) रीतिकाव्य एवं रीतिमुक्त काव्यधारा का अंतर स्पष्ट कीजिए।

(iv) हिन्दी निबंध के विकास में द्विवेदी युग के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

(v) प्रेमचंदपूर्व युग के कथा-साहित्य की दो विशेषताएँ बताइये।

5. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5+5

(i) 'मैला आँचल' को ध्यान में रख कर विचार कीजिए कि कथा-साहित्य के संदर्भ में आंचलिकता के क्या मायने हैं ?

(ii) 'मैला आँचल' में दिखने वाली अलग-अलग राजनीतिक धाराएँ कौन-कौन सी हैं ? उनका प्रतिनिधित्व करने वाले पात्रों का नामोल्लेख भी करें।

(iii) अंचल के हालात पर टिप्पणी करते हुए डॉ. प्रशांत ने उसके रोगों को किस रूप में चिह्नित किया है ? उस पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(iv) व्याख्यात्मक रूप में बताइये कि 'मैला आँचल' का सबसे मार्मिक प्रसंग आपकी दृष्टि में कौन सा है ?

6. (क) किसी एक का परिचय दीजिए : 5

(i) स्थायी भाव;

(ii) करुण रस;

(iii) शांत रस।

(ख) किन्हीं दो का लक्षण-उदाहरण सहित परिचय दीजिए : 5

(i) श्लेष;

(ii) उपमा;

(ii) रूपक;

(iii) अन्योक्ति।

(ग) किन्हीं दो का लक्षण-उदाहरण सहित परिचय दीजिए : 5

(i) सोरठा;

(ii) सवैया;

(ii) चौपाई;

(iii) घनाक्षरी।